तानाशाही | बिड़ला ग्रुप की शाख को बट्टा लगा रही टीएमसी कंपनी

टीएमसी कंपनी की तानाशाही चरम पर

प्रदीप शर्मा

नवभारत,बुढार/शहडोल । जिला अंतर्गत ग्राम गोपालपुर में बिड़ला ग्रुप को निजी कोयला उत्खनन का कार्य प्राप्त हुआ है माइनिंग लीज प्राप्त करने के पश्चात कंपनी ने गोपालपुर में कोयला उत्खनन का कार्य प्रारंभ भी कर दिया है बिक्रम कोल माइन बिड़ला कॉरपोरेशन लिमिटेड को प्राप्त हुए इस कार्य को बिड़ला ग्रुप मध्य प्रदेश के द्वारा टीएमसी रायपुर की एक निजी कंपनी को संपूर्ण कोयला उत्खनन का कार्य सौंपा गया है कम्पनी के द्वारा लगातार कई प्रकार के क्षेत्र हित ग्रामीण हित स्थानीय हित जनहित की मांग दरकिनार कर अपने स्वार्थ को साधने हेतु कई प्रकार के अमानवीय कृत्य कर कार्य का संचालन किया जा रहा है कम्पनी के द्वारा अधाधुंध पेड़ो की कटाई की गई है ग्रामीणों और स्थानीय पर्यावरणविदों का कहना है की बिक्रम कोल माइन बिड़ला कॉरपोरेशन लिमिटेड के द्वारा सौंपे गए कार्य को और कोयला उत्पादन उत्खनन के लिए जिस जमीन का आवंटन किया गया था उस जमीन में लगभग 18 हजार व्यस्क पेड़ों को काटा गया है पेड़ो को काटने की अनुमति क्या टीएमसी कंपनी ने एनजीटी पर्यावरण विभाग से ली क्या टीएमसी और बिक्रम कोल माइन बिड़ला कॉरपोरेशन लिमिटेड ने क्या वनविभाग से क्लियरेंस प्राप्त किया यह बड़ा सवाल है और अगर वन विभाग पर्यावरण विभाग के द्वारा इन्हे पेड़ों को काटने की अनुमति भी अगर प्रदान की गई तो उन वृक्षों की जगह पर नियम अनुसार कंपनी के द्वारा किसी दूसरी जमीन पर उसी संख्या में वृक्षारोपण किया गया यह बड़ा और गंभीर सवाल है लगातार देश ग्लोबल वार्मिंग की भीषण समस्या से लड़ रहा है इसके विपरित पर्यावरण को क्षति पहुंचाने का अधिकार इन्हे किसने दिया यह सवाल गंभीर और संवेदनशील है ।

स्थानीय युवाओं का कंपनी कर रही शोषण

ठीक इसी प्रकार स्थानीय रोजगार के विषय पर भी कंपनी ने दोहरे मापदंड को अपना कर रखा हुआ है सूत्रों की माने तो किसी त्रिपाठी नामक व्यक्ति के कहने पर कंपनी युवाओं की भर्ती तो कर रही है लेकिन कई प्रकार के नियम कानूनों की धज्जियां उड़ाकर स्थानीय युवाओं की भर्ती प्रक्रिया में भी कई प्रकार से भेदभाव किया जा रहा है आदिवासी बाहुल्य संभाग शहडोल में कार्य कर रही कंपनी जनजातीय समुदाय के अधिकारों का खुला उल्लंघन कर रही है साथ ही योग्य युवाओं की भर्ती ना करके सिर्फ सोर्स सिफारिश वालो को अपनी कंपनी में रखकर स्थानीय योग्य युवाओं की प्रतिभा का जमकर मजाक उड़ा रही है जिसकी चारो तरफ निंदा हो रही है और क्षेत्रीय युवाओं में लगातार तीव्र आक्रोश जन्म लेता हुआ दिखाई दे रहा है अगर संबंधित अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस विषय पर संज्ञान नही लिया तो कभी भी ग्रामीणों का और स्थानीय युवाओं का आक्रोश कंपनी के खिलाफ भड़क सकता है जिसकी संपूर्ण जवाबदेही टीएमसी एवं बिक्रम कोल माइन बिड़ला कॉरपोरेशन लिमिटेड मध्य प्रदेश की होगी

कई प्रकार की वेतन विसंगतियां टीएमसी कर रही अनियमित भर्तियां

सीके बिड़ला ग्रुप देश का जाना माना और प्रतिष्ठित औद्योगिक घराना है बिड़ला ग्रुप के द्वारा कोयला उत्खनन के कार्य के सुचारु संचालन के लिए उत्खनन का कार्य जिस टीएमसी नामक कंपनी को दिया गया है वह जमकर बिड़ला ग्रुप की शाख पर बट्टा लगाते हुए नजर आ रही है जिसकी खनिया बिड़ला ग्रुप को आम जनमानस में जमा होते जा रहे आक्रोश में भविष्य में भुगतना पड़ सकता है टीएमसी कंपनी ने अभी तक जितने भी लोगों को कर्मियों को रोजगार पर रखा हुआ है उन सभी को अलग अलग वेतन प्रदान कर रही है कंपनी के द्वारा न्यूनतम वेतन के नियम का पालन ना करके स्वयंभू नियम कानून बनाए गए हैं साथ ही कार्यरत कर्मियों का मानसिक शोषण भी जमकर किया जा रहा है विश्वशनीय जन और जानकारों की माने तो टीएमसी के द्वारा किसी कर्मी को 25 हजार रुपए मासिक तनख्वाह दिया जा रहा है तो किसी को 17 हजार किसी को 20 हजार तो किसी को 21 हजार इस प्रकार की वेतन विसंगतियां के कारण टीएमसी कंपनी के अधीन कार्य कर रहे कर्मी भी लगातार भेदभाव और कंपनी के शोषण का शिकार हो रहे हैं अगर कोई कर्मी किसी भी प्रकार से सवाल पूछता है तो कंपनी एचआर तिवारी के द्वारा धमकी भरे लहजे में कहा जाता है की काम करना है तो करो वरना छोड़ दो इस प्रकार की अमानवीय शैली का प्रयोग करके कार्य कर रहे मजदूरों का मानसिक शोषण कंपनी के द्वारा किया जा रहा है जो की अपराध की श्रेणी में आता है ।

अपने चहेतों को दिया आवास, तोड़ा स्थानीय युवाओं का विश्वास

कंपनी के ऊपर यह भी आरोप लगाया है की कंपनी के द्वारा जो व्यक्ति बाहर से बुलवाए गए हैं उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं उन्हे रहने के लिए आवास और लंच हेतु एक घंटे का समय दिया जाता है ठीक इसके विपरित स्थानीय कर्मियों के साथ भेदभाव करके उनकी मांग कर उन्हे अपमानित किया जाने का कार्य भी टीएमसी के द्वारा किया जा रहा है कुछ मजदूर 30 किलोमीटर कुछ 50 किलोमीटर की दूरी से आते हैं उन्हे ना तो आवास की सुविधा प्रदान की गई है ना ही लंच के लिए कोई सम्मानजनक समय दिया जाता है जो की मजदूरों की व्यथा और उनके दर्द का उपहास उड़ाने जैसे दुस्साहसीय कृत्य और अपराधिक श्रेणी में आता है टीएमसी कंपनी की दबंगई और स्थानीय जनमानस की उपेक्षा का दंश बुढार धनपुरी लगातार झेल रहा है और यह आक्रोश किसी भी समय उग्र रूप ले सकता है जिसका खामियाजा बिक्रम कोल माइन बिड़ला कॉरपोरेशन लिमिटेड को भविष्य में भुगतना पड़ सकता है।

इनका कहना है

कंपनी में व्याप्त अनियमिताएं और भर्रेशाही साथ ही स्थानीय योग्य युवाओं की अनदेखी पर जब नवभारत संवाददाता के द्वारा कंपनी का पक्ष जानने हेतु प्रोजेक्ट मैनेजर पाण्डेय से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उनका अंदाज नकारात्मक रहा उनके द्वारा सभी सवालों को सुना तो गया लेकिन उल्टा पत्रकार से ही सवाल जवाब किया जाने लगा और अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर गई आमजनमानस के सवाल और अधिकारों से संबंधित पूछे गए सवाल पर पांडे जी के द्वारा चुप्पी साधते हुए फोन को कई मिनट तक होल्ड पर रखकर मानवीय गरीमाओं की धज्जियां उड़ाई गई और प्रशासन और स्थानीय स्तर पर खुद को सर्वेसर्वा बताने का कृत्य किया गया।

प्रभारी प्राचार्य महोबिया कर्मचारियों को कर रहे प्रताड़ित

नवभारत, गोहपारू । शासकीय महाविद्यालय गोहपारु के कर्मचारीयों, के द्वारा कुछ गंभीर प्रशासनिक एवं कार्यस्थल संबंधी समस्याएँ बताई गई हैं, जिनका महाविद्यालय के वातावरण एवं कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

गोहपारू महाविद्यालय के कर्मचारियों के अंदर भय एवं डर का माहौल व्याप्त है ।महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ राजकुमार महोबिया द्वारा कर्मचारियों के साथ संवाद एवं व्यवहार को लेकर कई बार असहज एवं अपमानजनक परिस्थितियाँ उत्पन्न हुई हैं, जिससे कार्यस्थल का वातावरण प्रभावित हुआ है ।कर्मचारियों द्वारा उच्च शिक्षा विभाग भोपाल एवं अतिरिक्त संचालक रीवा को शिकायती पत्र के माध्यम से पूरे मामले को ले कर कराए अवगत ।कर्मचारियों का कहना है कि प्रशासनिक निर्णयों एवं कार्यों के संचालन को लेकर कर्मचारियों के बीच असंतोष एवं भय की स्थिति बनी हुई है। डॉ राजकुमार महोबिया एवं उनके साथी सुदीप्त चौधुरी द्वारा पूरे महाविद्यालय को राजनीति का अखाड़ा बना कर कर्मचारियों आये दिन नोटिस जारी कर मानसिक उत्पीड़न कर रहे । आरोप यह है कि राजकुमार महोबिया द्वारा महिला कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार कर उन्हें नोटिस जारी कर प्रताड़ित किया जा रहा है।

डॉ महोबिया द्वारा महाविद्यालय में कर्मचारियों के साथ अनुचित आचरण, अनुशासनहीनता जैसी घटनाओं के संबंध में प्रत्यक्ष जानकारी और गवाह उपलब्ध हैं, कृपया उन्हें जांच का हिस्सा बनाया जाए।

महाविद्यालय में डॉ राजकुमार महोबिया एवं उनके साथी सुदीप्त चौधुरी छात्र संगठनों के बाहरी कार्यकर्ताओं को बुला कर मन चाहा ज्ञापन लिया जा रहा है, जिसकी आड़ में कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है। आउटसोर्स कर्मचारियों को धमकी दिया जा रहा है की आपकी नियुक्ति निरस्त करा दी जाएगी । महाविद्यालय में पदस्थ अतिथि विद्वान सुदीप्त चौधुरी नियमित बी.एड. कर एवं अतिथि विद्वान का मानदेय ले कर एक ही समय में दो कार्य कर खुद शासन के साथ धोखाधड़ी करने वाला आज प्राचार्य कक्ष में बैठ कर कर्मचारियों को धमकाने का कार्य कर रहा है, एसे अनुशासनहीन अतिथि विद्वान सुदीप्त चौधुरी के ऊपर कार्यवाही कर निलंबित किया जाय । सुदीप्त चौधुरी नगर अध्यक्ष का धौंस जमाते हुए कर्मचारियों को नौकरी से बाहर निकलवाने कि धमकी दी जा रही, एवं छात्र संगठन की छवि धूमिल करने पर तुले हैं ।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य द्वारा आए दिन बाहरी व्यक्तियों एवं विभिन्न छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं को महाविद्यालय में बुलाकर कर्मचारियों के विरुद्ध ज्ञापन, आर टी आई शिकायत एवं अनावश्यक दबाव की स्थिति निर्मित की जाती है। कर्मचारियों के विरुद्ध बार-बार निराधार एवं असत्य आरोप लगवाकर मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है, जिससे महाविद्यालय का शैक्षणिक एवं प्रशासनिक वातावरण निरंतर प्रभावित हो रहा है ।इसके अतिरिक्त, अपने साथी सुदीप्त चौधुरी अतिथि विद्वान गणित के साथ मिल कर महाविद्यालय से संबंधित गोपनीय एवं प्रशासनिक दस्तावेज बाहरी व्यक्तियों के साथ साझा किए जाने की आशंका एवं घटनाएँ भी सामने आई हैं, जो कि शासकीय गोपनीयता एवं प्रशासनिक मर्यादा के विपरीत है। इस प्रकार की गतिविधियों से कर्मचारियों में भय एवं असुरक्षा का वातावरण निर्मित हो गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि कर्मचारियों के विरुद्ध लगाए गए कई आरोपों की पूर्व में सक्षम जांच समितियों द्वारा जांच की जा चुकी है, जिनमें आरोप निराधार पाए गए थे, तथापि पुनः उन्हीं विषयों को आधार बनाकर कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। कर्मचारियों की मांग है कि महाविद्यालय के स्वस्थ शैक्षणिक एवं प्रशासनिक वातावरण को बनाए रखने हेतु निष्पक्ष जांच कर डॉ मंगल सिंह को प्रभारी प्राचार्य बनाया जाए। पूर्व में डॉ. मंगल सिंह के कार्यकाल के दौरान कर्मचारियों द्वारा महाविद्यालय के प्रशासनिक वातावरण को सकारात्मक एवं सहयोगात्मक माना जाता रहा है। कर्मचारियों का उददेश्य किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध व्यक्तिगत टिप्पणी करना नहीं, बल्कि महाविद्यालय के हित में तथ्यात्मक एवं निष्पक्ष जांच कराना है।

6 माह बाद जगमगाया वार्ड नंबर 19 घरौला मोहल्ला

▶ मनोनीत पार्षद विनय केवट ने बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को कराया चालू

नवभारत,शहडोल । नगर पालिका परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 19 घरौला मोहल्ला में लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को चालू कर क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत दी गई। नगर पालिका सीएमओ आशा जितेंद्र भंडारी के निर्देश एवं विद्युत विभाग के इंजीनियर पुनीत त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यह कार्य पूरा कराया गया। जानकारी के अनुसार घरौला मोहल्ला तालाब के ऊपर लगी स्ट्रीट लाइटें पिछले लगभग छह माह से बंद पड़ी थीं, जिससे वार्डवासियों एवं राहगीरों को रात के समय भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अंधेरे के कारण क्षेत्र में आवागमन भी प्रभावित हो रहा था। मंगलवार सुबह वार्ड भ्रमण के दौरान जागरूक नागरिकों ने अपनी समस्या मनोनीत पार्षद विनय केवट के सामने रखी। पार्षद ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नगर पालिका अधिकारियों एवं विद्युत विभाग के कर्मचारियों को अवगत कराया। इसके बाद विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर बंद पड़ी लाइटों को चालू कराया। नगर पालिका की टीम द्वारा नर्मदा मिश्रा एवं कामता गोले के घर के सामने, संतोष रैकवार तथा महावीर गोले के घर के सामने बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को फिर से शुरू किया गया। वहीं तालाब के ऊपर स्थित हनुमान मंदिर के पीछे भजन रजक, भाई लालपाल एवं चुटदानी के घर के सामने वाले मार्ग पर वर्षों से प्रकाश व्यवस्था नहीं होने की समस्या भी दूर की गई।

चलें रामराज्य की ओर, इंदिरा ज्योति यात्रा पहुंची शहडोल

नवभारत,शहडोल। इंदिरा ज्योति एवं चलें रामराज्य की ओर संकल्प यात्रा के शहडोल आगमन पर आयोजित पत्रकार वार्ता में सम्यक अभियान के प्रमुख भास्कर राव रोकड़े ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यों, विचारों और क्रांतिकारी निर्णयों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चार वर्षीय इंदिरा ज्योति अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 12 जुलाई 2024 को केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किए जाने के बाद इंदिरा गांधी के खिलाफदुष्प्रचार शुरू हुआ, जिसके जवाब में सम्यक

अभियान द्वारा देशभर में पत्रकार वार्ताएं आयोजित कर इंदिरा गांधी के योगदान को सामने लाने का अभियान शुरू किया गया। 19 नवंबर 2024 को ग्वालियर में इंदिरा गांधी की 107वीं जयंती पर संकल्प दिवस मनाते हुए इस अभियान की शुरुआत की गई।

तीन राज्यों में चल रहा अभियान

भास्कर राव रोकड़े ने बताया कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अभियान संचालित है। मध्यप्रदेश को छह प्रांतों में विभाजित कर यात्रा निकाली जा रही है।6 जनवरी 2026 को छिंदवाड़ा के चिटनिस गंज से यात्रा प्रारंभ हुई थी, जो अब शहडोल पहुंची है। अभियान का उद्देश्य हर घर तक इंदिरा गांधी के विचारों और सामाजिक न्याय के संदेश को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सम्यक अभियान युवाओं को रोजगार, निजी क्षेत्र में श्रमिक अधिकार, आउटसोर्सिंग पर रोक, कृषि सुधार और उपेक्षित वर्गों को न्याय दिलाने जैसे मुद्दों पर कार्य कर रहा है। अभियान से बड़ी संख्या में शिक्षित बेरोजगार युवा, महिलाएं और किसान जुड़ रहे हैं।

गांधी के रामराज्य की अवधारणा को धरातल पर उतारने का प्रयास

पत्रकार वार्ता में चलें रामराज्य की ओर अभियान की भी जानकारी दी गई। रोकड़े ने बताया कि महात्मा गांधी ने 1929 में भोपाल प्रवास के दौरान रामराज्य की अवधारणा रखते हुए भय, भ्रष्टाचार और भेदभाव मुक्त व्यवस्था की बात कही थी। उसी विचार को आगे बढ़ाने के लिए 19 नवंबर 2025 को भोपाल में इस अभियान की शुरुआत की गई। उन्होंने बताया कि अभियान के केंद्रीय समन्वयक एडवोकेट सैयद साजिद अली हैं तथा इसमें सभी वर्गों और समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से अजय अवस्थी, पीयूष शुक्ला, प्रभात पाण्डेय एवं प्रीतेश द्विवेदी उपस्थित रहे।

स्थानीय लोगों को रोजगार दो, नहीं तो बंद होगा कंपनियों का काम : ग्रामीणों का अल्टीमेटम

ग्रामीणों का उग्र प्रदर्शन, मुआवजा और पुनर्वास की उठी मांग

जनप्रतिनिधियों और बेरोजगार युवाओं ने सौंपा ज्ञापन, रुके रोजगार को पूरा करने की मांग तेज

क्षेत्र में संचालित कंपनियों के खिलाफ ग्रामीणों, बेरोजगार युवाओं और जनप्रतिनिधियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिलने, जमीनों के उचित मुआवजे, पुनर्वास एवं स्थापना की लंबित मांगों को लेकर ग्रामीणों ने एकजुट होकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान जय अंबे ढोलू कंपनी एवं सेल कंपनी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन और कंपनियों को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया गया और लंबित समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संपूर्ण कंपनियों का काम बंद करा दिया जाएगा। प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को तत्काल पूरा करने की मांग की।

नवभारत, धनपुरी। क्षेत्र में लंबे समय से कंपनियों द्वारा खनन और औद्योगिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं के लिए ग्रामीणों की कृषि भूमि और संपत्तियां अधिग्रहित की गई थीं। उस समय प्रभावित परिवारों को रोजगार, उचित मुआवजा और पुनर्वास देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि आज तक कई परिवारों को न तो रोजगार मिला और न ही पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी की गई। इसी बात को लेकर ग्रामीणों में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, पुरुष, युवा और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कंपनियां क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग कर करोड़ों का मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन स्थानीय लोगों की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। बेरोजगार युवाओं ने कहा कि परियोजना प्रभावित होने के बावजूद उन्हें रोजगार के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। कई बार आवेदन और मांग करने के बाद भी कंपनियों ने कोई सकारात्मक पहल नहीं की। ग्रामीणों ने मांग की कि परियोजना से प्रभावित सभी परिवारों को तत्काल रोजगार दिया जाए। जिन लोगों की जमीन और संपत्ति अधिग्रहित की गई है, उन्हें संपूर्ण मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही जिन परिवारों का पुनर्वास अभी तक नहीं हुआ है, उनके लिए पुनर्वास एवं स्थापना की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि जिन लोगों का रोजगार प्रक्रिया के दौरान मामला लंबित है, उनकी भर्ती प्रक्रिया को तत्काल पूरा किया जाए।

स्थानीय युवाओं की अनदेखी नहीं करेंगे बर्दाश्त : भूपेश शर्मा

प्रदर्शन के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने कहा जय अंबे ढोलू कंपनी और सेल कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि कंपनियां केवल आश्वासन दे रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हो रहा। लोगों ने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को रोजगार दिया जा रहा है जबकि स्थानीय बेरोजगार युवा उपेक्षित हैं।

आधुनिक खेती अपनाकर किसान बढ़ाएं आय : कुमार पुरूषोत्तम

▶ कृषि मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक ने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर दिए निर्देश

नवभारत,शहडोल। कुमार पुरूषोत्तम ने भारत सरकार के किसान कल्याण वर्ष अंतर्गत चिन्हित शहडोल जिले में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य एवं अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परंपरागत खेती के साथ किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जाए, ताकि खेती लाभ का व्यवसाय बन सके। किसानों को बागवानी, फूलों की खेती, मछली पालन तथा उड़द उत्पादन जैसी गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही मछली पालन में रुचि रखने वाले किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले मछली बीज उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़ने पर जोर

प्रबंध संचालक ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में युवाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले हितग्राहियों का नियमित फॉलोअप करने के निर्देश भी दिए, ताकि प्रशिक्षण का वास्तविक लाभ उन्हें मिल सके। बैठक में डॉ. केदार सिंह ने जानकारी दी कि डीएमएफयोजना अंतर्गत टमाटर की खेती के लिए 572 हितग्राही, मिट्टी परीक्षण के लिए 7000 हितग्राही, अल्ट्रा हाईडेंसिटी थाई अमरूद की खेती हेतु 200 हितग्राही तथा जायद उड़द की खेती के लिए 600 किसानों का चयन किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के कार्यों की भी जानकारी दी।

अवैध कारोबार | शराब माफियां के आगे नतमस्तक प्रशासन? शहडोल में खुला खेल जारी

बुढार,धनपुरी व कोयलांचल क्षेत्र में ओवररेटिंग का अवैध कारोबार

प्रदीप शर्मा

नवभारत,बुढ़ार। धनपुरी व कोयलांचल क्षेत्र में शराब कारोबार को लेकर उठ रहे सवाल अब केवल ओवररेटिंग या अवैध बिक्री तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक निगरानी पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े होने लगे हैं। आदिवासी बाहुल्य शहडोल जिले में गांव-गांव और गली-गली तक शराब की पहुंच ने सामाजिक वातावरण को बिगाड़ दिया है, जबकि जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदकर तमाशा देखता नजर आ रहा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले की कई शराब दुकानों का संचालन निजी कंपनी लक्ष्मी मीरा एग्रो को सौंपे जाने के बाद से लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शराब दुकानों में खुलेआम ओवररेटिंग की जा रही है। शासन द्वारा निर्धारित कीमतों को दरकिनार कर ग्राहकों से मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं। दुकानों पर मूल्य सूची तक सही तरीके से प्रदर्शित नहीं की जा रही, जिससे उपभोक्ताओं की खुली लूट हो रही है। सवाल यह है कि जब आबकारी विभाग

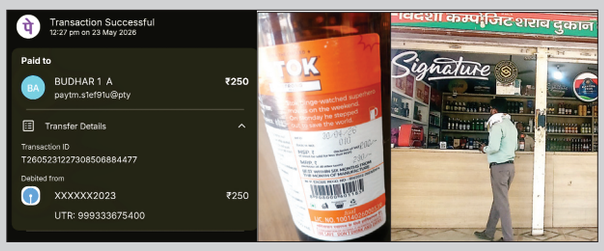

की पूरी व्यवस्था निगरानी के लिए बनी है, तो फिर यह अवैध वसूली आखिर किसके संरक्षण में चल रही है?

क्षेत्र में यह चर्चा भी जोरों पर है कि कथित शराब माफिया बबलू जायसवाल, गुड्डू खरे, अमरेश सिंह, राजू जायसवाल, राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगो ने पूरे जिले में पैकारी का जाल फैला दिया है। आरोप है कि धनपुरी का एक भाजपा नेता, जो पहले भी जुआ, सट्टा और शराब कारोबार को लेकर चर्चाओं में रहा है, अब शराब कारोबार में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। बताया जा रहा है कि चुनावी हार के बाद उसने शराब ठेकेदारों अपने ससुर लक्ष्मी जायसवाल से सांठगांठ कर पूरे शहडोल संभाग में शराब की अवैध सप्लाई का नेटवर्क खड़ा कर लिया है। गांवों और बस्तियों तक शराब पहुंचाने का यह खेल प्रशासन और आबकारी विभाग की मिलीभगत के बिना संभव नहीं माना जा रहा। ग्रामीणों का कहना है कि पहले शराब केवल अधिकृत दुकानों तक सीमित थी, लेकिन अब छोटे गांवों, मोहल्लों और आदिवासी बस्तियों तक इसकी आसान पहुंच हो चुकी है। इससे युवाओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है और महिलाओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। कई स्थानों पर महिलाओं ने शराब बिक्री के खिलाफ विरोध भी जताया है, लेकिन कार्यवाही के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती रही है। सबसे बड़ा सवाल आबकारी विभाग की निष्क्रियता को लेकर उठ रहा है। जब पूरे जिले में खुलेआम पैकारी, ओवररेटिंग और अवैध बिक्री की शिकायतें हो रही हैं, तब विभागीय अधिकारी आखिर किस बात का इंतजार कर रहे हैं? क्या विभाग केवल राजस्व वसूली तक सीमित होकर सामाजिक नुकसान को नजरअंदाज कर रहा है? स्थानीय लोग आरोप लगा रहे हैं कि शिकायतों के बावजूद कार्यवाही नहीं होना इस बात का संकेत है कि शराब माफिया भाजपा नेता बबलू जायसवाल और विभागीय तंत्र के बीच कहीं न कहीं गहरी सांठगांठ मौजूद है। शराब दुकानों में बाहरी कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। लोगों का आरोप है कि बड़ी संख्या में बाहरी लोगों को दुकानों में रखा गया है, जिनका पुलिस सत्यापन तक नहीं कराया गया। इन कर्मचारियों पर आम लोगों के साथ अभद्र व्यवहार और भय का माहौल बनाने के आरोप लग रहे हैं। कानून व्यवस्था की दृष्टि से यह बेहद गंभीर मामला माना जा रहा है, लेकिन प्रशासन अब तक मूकदर्शक बना हुआ है। आदिवासी समाज में भी इस पूरे मामले को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है। इससे आदिवासी समुदाय अपने अधिकारों और परंपराओं पर खतरा महसूस कर रहा है।अब जिले में मांग तेज हो गई है कि ओवररेटिंग, अवैध पैकारी, बाहरी कर्मचारियों की भूमिका और आदिवासियों के कथित उत्पीड़न की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते शराब माफियाओं पर लगाम नहीं लगाई गई, तो पूरा शहडोल जिला नशे के दलदल में धकेल दिया जाएगा। जनता यह भी पूछ रही है कि आखिर प्रशासन और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी कब तय होगी, और कब तक शराब माफिया राजनीतिक संरक्षण में कानून को खुलेआम चुनौती देते रहेंगे।

इनका कहना है

जब इस बावत हमारे नव भारत के कोयलाँचल प्रतिनिधि ने आबकारी अधिकारी सावित्री भगत से जानकारी लेनी चाही तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया जाना ही इस बात का संकेत है कि दाल में जरूर कुछ ना कुछ काला है।

सावित्री भगत
जिला आबकारी अधिकारी शहडोल

आप के द्वारा सूचना मिली है, मै रीवा आ गया हूँ आ कर देखता हूँ, कार्यवाही होगी आप निश्चिंत रहे।

रजनीश त्रिपाठी , आबकारी निरीक्षक

गंगा दशमी पर हेडगेवार पार्क में गूंजा जल संरक्षण का संदेश

▶ जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिला स्तरीय कलश यात्रा व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नवभारत, शहडोल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमी के पावन अवसर पर नगरपालिका शहडोल द्वारा हेडगेवार पार्क में जिला स्तरीय कलश यात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुरभि गुप्ता एवं डॉ. केदार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला योजना समिति की सदस्य अमिता चपरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल की प्रत्येक बूंद अमूल्य है और बावड़ियों, कुओं, तालाबों सहित सभी जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

जल है तो कल है का दिया संदेश

नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने कहा कि प्रकृति द्वारा प्रदत्त जल अमूल्य धरोहर है, जिसे संरक्षित करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वर्षा, भूजल एवं सतही जल स्त्रोतों को बचाए बिना बेहतर भविष्य की कल्पना संभव नहीं है।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
जिला शहडोल मध्य प्रदेश

प्रकरण क्रमांक/0 / ब-121/ आशायित विवाह/2026/ शहडोल
पेशी दिनांक 05/06/2026

सार्वजनिक इश्तहार

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रदीप कुमार भारती पिता श्री कन्हैयालाल भारती निवासी ग्राम बरकोड़ा थाना व तहसील गोहपारू जिला शहडोल (म.प्र.) प्रथम पक्ष (वर पक्ष) एवं आवेदिका निशा काश्मीर पिता श्री राजेश काश्मीर निवासी डोंगरी टोला ग्राम गलहथा थाना व तहसील जैतपुर जिला शहडोल (म.प्र.) द्वितीय पक्ष (वधु पक्ष) के द्वारा इस न्यायालय में उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के प्रावधानों के अधीन आशावित विवाह प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

इस विवाह के संबंध में जिस किसी को आपत्ति हो, वे दिनांक 05/06/26 को स्वतः अधिवक्ता के मार्फत न्यायालय में उपस्थित हो आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
जिला शहडोल मध्य प्रदेश

इस विज्ञापन के प्रकाशनार्थ
नवभारत का पत्रकार
विकास सरकार द्विवेदी

नवभारत
देश के साथ